रयत शिक्षण संस्था का,

डॉ.पतंगराव कदम महाविद्यालय, रामानंदनगर (बुर्ली)

हिंदी विभाग

'हिंदी दिवस समारोह' 2025 - 26

महाविद्यालय में हिंदी विभाग की ओर से 27 सितम्बर, 2025 को 'हिंदी दिवस समारोह' का आयोजन किया गया था । इस समारोह के लिये प्रमुख अतिथि के रूप में बलवंत महाविद्यालय, विटा कॉलेज के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. एस. के. खोत उपस्थित थें । इस अवसर पर महाविद्यालय विकास समिति एवं रयत शिक्षण संस्था की प्रबंध परिषद के सदस्य मा. जे. के. (बापू) जाधव उपस्थित थे । समारोह की अध्यक्षा महाविद्यालय की प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ) श्रीमती यू. व्ही. पाटील थी ।

समारोह का आरंभ 'करुणा' भित्ती पत्रिका के विमोचन के साथ हुआ। हिंदी प्रेमी, छात्रोंने 'करुणा' भित्ती पत्रिक का संकलन किया था। इस पत्रिका का विमोचन प्रमुख अतिथि प्रो. डॉ. एस. के. खोत, मा. जे. के. (बापू) जाधव और प्रो. (डॉ) श्रीमती यू. व्ही. पाटील जी के करकमलों द्वारा किया गया।

समारोह का प्रास्ताविक हिंदी विभागाध्यक्ष प्रा.डॉ.के.बी.भोसले जी ने किया । इन्होंने हिंदी विभाग द्वारा आयोजित विविध उपक्रमों की जानकारी दी, जिसमें प्रमुख रूप से निबंध, हिंदी शुद्ध लेखन, सुंदर हस्ताक्षर, काव्यवाचन प्रतियोगिता तथा 'करुणा' भित्ती पत्रिका आदि का उल्लेख करते हुए अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया ।

इसके बाद हिंदी विभाग द्वारा आयोजित विविध प्रतियोगिताओं के प्रमाणपत्र समारोह के प्रमुख अतिथि डॉ. एस. के. खोत, मा. जे. के. (बापू) जाधव और प्रो. (डॉ) श्रीमती यू. व्ही. पाटील जी द्वारा छात्रों को प्रदान किये गए।

समारोह के प्रमुख अतिथि प्रो. डॉ. एस. के. खोत जी ने अपने मंतव्य में वैश्विक स्तर पर आज हिंदी भाषा का महत्व बड़े पैमाने पर बढ़ रहा है और हिंदी भाषा आज सबसे अधिक रोजगार पैदा करने वाली भाषा के रूप में जानी जाती है। यह कहते हुए हिंदी दिवस का महत्व, हिंदी की आवश्यकता इस संदर्भ में विस्तृत जानकारी दी।

इस अवसर पर महाविद्यालय विकास समिति एवं रयत शिक्षण संस्था की प्रबंध परिषद के सदस्य मा. जे. के. (बापू) जाधव जी ने अपने मन्तव्य में हिंदी भाषा एकता का प्रतीक है और इसके लिए हिंदी भाषा का प्रचार-प्रसार आवश्यक है यह कहते हुए भारत देश में हिंदी ही आपसी संवाद का एकमात्र साधन है आदि बातों पर प्रकाश डाला ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. डॉ. उज्वला पाटिल जी ने की। उन्होंने अध्यक्षीय विचार व्यक्त करते हुये कहा कि हिंदी आज विश्व स्तर की भाषा की ओर अग्रेसर होती जा रही है। आज हमें हिंदी को समृद्ध भाषा बनाने की जरुरत है। भाषा की सुंदरता के संदर्भ में भी उन्होंने कई उदाहरण दिए। भाषा को आज बचाने की जरुरत है, हिंदी का प्रचार - प्रसार करने की आज आवश्यकता है यह बात उन्होंने प्रमुख रूप में व्यक्त की ।

समारोह का आभारज्ञापन डॉ. शीतल पाटिल जी ने किया और सूत्रसंचालन प्रो.डॉ. नितीन कुंभार जी ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महाविद्यालय के अध्यापकगण और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभाग लिया।

लाभार्थी संख्या - 50 **उपलब्धि** - राष्ट्रभाषा हिंदी का प्रचार प्रसार करना ।
हिंदी में रोजगारों के अवसर के प्रति छात्रों को अवगत कराना ।

प्रमुख अतिथि प्रो (डॉ.) एस. के. खोत

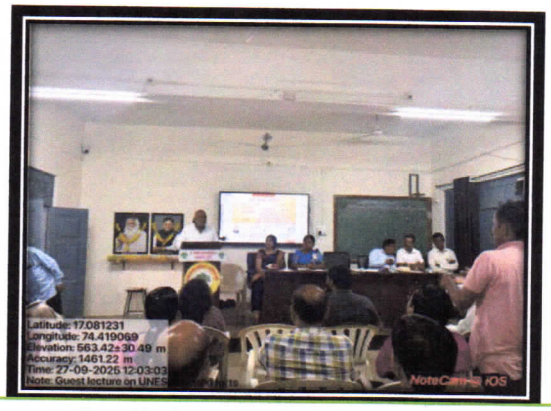

प्रमुख उपस्थिति मा. जे. के. (बापू) जाधव

अध्यक्षा प्रो. (डॉ) यू. व्ही. पाटील

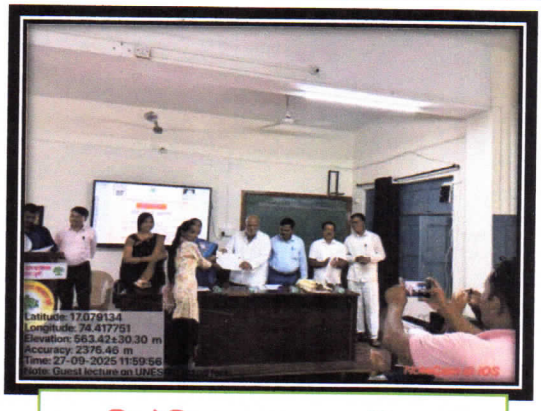

प्रतियोगिता प्रमाणपत्र वितरण

अध्यक्ष
हिंदी विभाग

प्रधानाचार्य
डॉ.पतंगराव कदम महाविद्यालय,
रामानंदनगर (बुर्ली)